DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION INITIATIVE

IMPRINT

वर्ष - 2, अंक-19, जुलाई 2022

DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION

DITF BULLETIN

kaleidoscope of thoughts and vision

OUR MOTTO
Sharing is Caring

Get The Latest Scoop On This Month's Trends

Empowering Ideas
Amalgamation Of Learning

JULY EDITION

संपादक

डॉ. तरुणा दाधीच

फाउंडर प्रेसिडेंट

देवेश दाधीच

प्रकाशक

शोभा दाधीच

E-mail- dadheech@ditfindia.org

सम्पादकीय आलेख

अनूठा संयोग

जुलाई माह में एक अनूठा संयोग बन रहा है गुरु के अनन्य भक्त, गुरु सेवा और गुरु भक्ति के नायाब व्यक्तित्व स्वामी विवेकानंद की 4 जुलाई को पुण्यतिथि और गुरु पूर्णिमा पर्व जुलाई माह में आ रहे हैं। इससे अनूठा संयोग और क्या हो सकता है।

विवेकानंद ग्रंथों से नहीं सद्गुरु से आध्यात्मिक जागृति मानते थे। स्वामी जी ने अपना जीवन अपने गुरुदेव स्वामी रामकृष्ण परमहंस को समर्पित कर दिया था । गुरु के प्रति अनन्य भक्ति और निष्ठा के प्रताप से अपने गुरु के शरीर और उनके दिव्यतम आदर्शों की उत्तम सेवा कर सके। गुरु को समर्पित इस महान पर्व गुरु पूर्णिमा की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और अब श्रावण मास के प्रारंभ होने से ही हर ओर भक्तिमय वातावरण मन को प्रफुल्लित करता है, हरियाली और त्योहारों की धूम सभी को आनंदित करती है, इन सभी का आनंद लें और विश्व के कल्याण की कामना करते रहे। विश्व कल्याण पथ के साधक आचार्य गोविंद गिरी जी महाराज से डीआईटीएफ के फाउंडर प्रेसिडेंट देवेश जी और श्रीमती शोभा जी की भेंट और गोविंद गिरी जी महाराज द्वारा आशीर्वाद प्रदान करना डीआईटीएफ के लिए स्वर्णिम सोपान है।

संपादक की कलम से.....

डॉ.तरुणा दाधीच
मुख्य संपादक

''दाधीच समाज सेवा संघ,पूणे'' द्धारा प्रोफेशनल फोरम मीट के अंतर्गत 19 जून को कॉफी विद देवेश जी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया जिसकी झलकियां आप देख सकते हैं।

20 जून को 'गीता परिवार, अर्जुन युवा मंच, पूणेश के युवा देवेश जी से मिलने आए। उनके साथ करीब दो घंटे चली मीटिंग में युवाओं ने बहुत सारी जानकारियां प्राप्त की।

आइए हम सभी भी समाज और अपने देश के कल्याण हेतु सहयोग का संकल्प लें। शुभकामनाओं सहित।

Feedback about Meeting of Geeta Pariwar Arjun Yuva Manch Pune with CA Deveshji Dadeech

-Ankit Lohiya
Kalyan, Maharashtra

To begin with expressing my feelings of today's interaction with Devesh Sir, it was an experience worth remembering for long. His humble nature and professionalism just made us feel blessed to have met him.

So it all turned out after a coincident meet of one of our members with Sir, on the Saturday evening goneby. He on knowing about our initiative of Arjun Yuva Manch asked our Manch Karyakarta to arrange a meet of 8-10 of us with him at the above said location.

And then the day arrived and within say 36 hrs of the same being planned, we actually had an around 2 hour meet with Devesh Sir, all thanks to his generosity of providing us with his valuable time.

The meeting began with a brief introduction of each our members. The best part of the same was that it was an interactive introduction session in which Sir took keen interest in knowing the hows and whys of the plans each member had about his career. He provided some valuable insights to each and everyone of how to proceed with everyone's plans. This gave this professional meet a personal touch which made everyone connect with Sir in a single meet and feel so happy of getting whatever best knowledge they could in the 2 hour span.

Then he being an esteemed and seasoned professional himself shared his journey and provided us with so many insights and life lessons which for sure will act as a beacon light for our way ahead in life and career.

He also shared insights about his own 22 month old brainchild DITF - Dadheech International Trade Foundation which too has been working great in providing youth an excellent platform. The professional meet ended successfully with an official collaboration of Sir's DITF and our Arjun Yuva Manch for future noble causes to be carried out.

This is what was in itself a lot more than what he had expected in our first meet with him. But Dadeech Sir wasn't done for the day yet. He took us to his room and also introduced us to his wife and another friend couple who were there alongwith Sir at the hotel for stay. This was a cherry on the cake and made us feel so happy to be applauded and blessed by so many elderly people like them which made us feel very energetic leaving the place.

In all, the way the meeting went ensured that indeed its the first time we are meeting but not the last time for sure. Hoping for many such meets ahead with Sir providing whatever best service we can as a group to him as well as keep learning from Sir via his Youtube webinars and some more professional interactive meets ahead as well in future.

On behalf of Arjun Yuva Manch I would like to thank from the bottom of my heart to you dear Devesh Sir for this memorable afternoon with you. Your unmatched energy and enthusiasm will surely ignite us as well to work more better in our life and career ahead.

My Generous Feedback

First of all, Thank You sir it was nice meeting you and I am really praised by the meeting we had at your place.

You are really a person who is an example for many others and I really want to be like you. What you have said in that just 1 Hr. is tremendously helpful for my future.

By seeing you, I Just got one thing clear that, 'Key to success is not something you can find in any cupboard or bag, The key is you yourself so, just work on yourself a little so, that you don't miss any opportunity to be successful.'

The great example of this I guess is you sir as how successful you are doesn't require any proof to say, which inspires me a lot.

Thank you, sir for your guidance and help. And I assure that what you tried to convey, I understood that all.

Madhav Bangad

12th Student Pune

Shree Guru Ganpati Investment

Franchise of SMC Global Securities Limited

Contact Us for

- Investment &Trading in Stocks, Futures and Options
- NSE, BSE & Mutual Fund
- Online account opening available

Contact Details

Jitendra Dadheech
S/O Shri Ramesh Chandra Dadheech

(M) 9414354404
Address - D 206, Nai Abadi,
Kankroli Rajsamand, Rajasthan 313324

प्रकृति

-शशि शर्मा
एम.कॉम,एम.बी.ए,जनरल
मैनेजमेंट एल.एल.भी ,मुम्बई

पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को सादर नमस्कार,प्रणाम।

जैसा की हम सभी इस बात से सहमत है कि पेड़–पौधे , जंगल इस देश की धरोहर है ,पेड़ पौधे नहीं
होंगे तो लगभग हम सभी का जीवन भी
नीरस ही हो जायेगा।
पेड़ पौधे एक अनमोल सम्पदा है या यूं कहे की यह प्रकृति के द्वारा पृथ्वी वासियों को दिया हुआ एक अनमोल वरदान है जो चारों
तरफ हरियाली और छाया के रूप में देखा जा रहा है, जब पेड़ पौधों की बात हो तब अपने राजस्थान के खेजड़ली के ३द्वद्व साल पुराने चिपको आंदोलन की याद आ ही जाती है , जिसमें विश्नोई समाज ने पेड़ को बचाने के प्रयास में ३द्वद्व से ज्यादा प्राणों की आहुति दी थी।
पर्यावरण दिवस एक दिन के रूप में
यह केवल सांकेतिक है , हम सभी को तो इस कार्य को प्रतिदिन ध्यान में रखना है , और
हर संभव प्रयास करना है कि हम हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए धरोहर को सहेज कर दे सके ,
इस के लिए एक बाल कथा शेयर कर रहा
हूं।

30 साल पहले , जामुन खाते हुए .मेरी पोती ने मुझसे पूछा की जामुन की गुठली क्यों नहीं खाते हैं दादाजी ? मैंने टीवी पर समाचार सुनते सुनते हुए यों ही कह दिया था कि यह जामुन हमें पेड़ों से मिले है और हमारा भी कर्त्तव्य है कि `जो जो खाये ,उसका एक पेड लगा सके इसकी गुठली से
ताकि उनको भी वो मिले जो पीढ़ी हमारे बाद में आएगी। इसीलिये गुठली को खाते नहीं उससे पेड बना लेते हैं जामुन का। ' मैं तो भूल गया था यह कह कर । लेकिन हमारी लाडली पोती ने इस बात को याद रखा दिल की गहराइ से एवं उसने जामुन के बीज को धोया ,सुखाया तथा बगीचे के कोने में अपने सहेली के साथ इसको लगाया । शायद मेरी लाड़ली पोती ने जामुन का बीज रोपते हुए सबको यह कहानी सुनायी होगी । इस गुठली से कुछ समय बाद पौधा अंकुरित होकर निकलेगा . पौधे में पत्ती आयेगी ,फिर फूल खिलेंगे ,फूल पर तितलियाँ आएगी फिर इस में जामुन का फल आएगा । जामुन मेरे दादाजी, दादीजी और परिवार के सदस्यों के साथ बैठ कर आनंद से खायेंगे ,और गुठली से फिर नए पेड़ लगाएंगे ,उनमें फिर जामुन लगेंगे और उनको हमारे परिवार वाले आनंद से खायेंगे।

जामुन में गुलाब मिला कर गुलाब जामुन बनेंगे !! यह है हमारी लाड़ली की जामुन की कल्पित कहानी , बार बार यह बात याद आ जाती है।
कुछ वर्षों बाद जामुन की गुठली का पेड़ बड़ा हुआ , वह समय–य समय पर उसका ध्यान रखती और कभी कभी तो अपनी सहेलियों को भी बुला लाती, नहीं तो उनको इस का फोटो शेयर करके अपनी खुशी का इजहार करती। लाड़ली के जामुन का पेड़ केवल पेड़ नहीं बल्कि एक मिशन जैसे हो गया हो , समय अपनी गति से आगे बढ़ता गया और पता ही नहीं चला कब हमारी लाड़ली बडी हो गयी , पढ़ाई में **CA** भी कर लिया , अच्छी कंपनी में जॉब भी मिल गया लेकिन जब भी वो हमारे पास इंदौर आती है अपने पेड़ पौधों के पास अपना समय जरूर देती है ,लाड़ली की इच्छा है कि वह अपने परिवार की सभी बच्चियां अच्छी पढ़ाई करके समाज और परिवार के लिए गौरव का कार्य करें और अपने दाधीच समाज के **DITF** में एक्टिव मेंबर बने । पेड़ भले आम का हो या जामुन का, पीपल का फिर नीम का पेड़ होना जरुरी है अतः आप सभी से निवेदन है कि आप सभी पेड़ लगाने का कर्त्तव्य जरूर ही पूरा करे। मुफ्त में प्राण वायु देने वाले साक्षात देव को सादर नमन । **COVID** काल में प्राण वायु का महत्व हम सभी ने बहुत ही नज़दीक से अनुभव किया है

दरख्त जो होते हे दरख्त सा करते हैं .
धूप खुद ही सहते छाव दूजो को देते हैं.
जहरीली हवा खुद पीते प्राणवायु सबको देते
इसलिए यू कहें कि

The biggest challenge facing the World today is Climate Change-
Look] there is only one Earth] let's take care of it-

- **By: Turn off lights when u leave the room**
- **By: Recycle plastic and paper**
- **By: Being smart about Water Usage**
- **By : Ride sharing and reducing carbon footprints**
- **By: One family one tree planting on ground not inside house watering once a day and monitor its growth-**

फिर देखो एवं अनुभव करो प्राकृतिक हरियाली का आनंद ही आनंद।

मेरी कविताओं का सफर

–अंकिता कुदाल
सीए फाइनल छात्रा, उदयपुर

मुझे आज भी याद है जब मैं कक्षा 6 में पढ़ती थी। मैं स्कूल से घर आई। मेरी दादीजी के पास बैठी और उनको कहा की हमें "सपनों का भारत" विषय पर कविता लिखनी है और जिसकी कविता सबसे अच्छी होगी वो हमारे स्कूल की मैगजीन में प्रकाशित होगी पर दादी मैं कविता कैसे लिखूं मैने आज तक कभी कोई कविता नहीं लिखी३.फिर उन्होंने मुझसे कहा की अपनी आंखे बन्द करो और कल्पना करो कि तुम कैसा सपनों का भारत चाहतीं हो और अब जो भी लाइन दिमाग में आए उसे लिखो। धीरे धीरे लाइन से लाइन जोड़कर हमने कविता लिखी। कविता लिखने के बाद मुझे बहुत खुशी हुई कि मैने अपने आप से कोई कविता लिखी है। उसके बाद जब भी खाली समय मिलता मैं अपनी कश्वपी के पीछे कविताएं लिखने लग जाती पर वो कविताएं मैं कभी किसी को सुनाती नहीं थी डरती थी कि सब मुझ पर हसेंगे। कक्षा 8 तक मैने कई कविताएं लिखी पर कक्षा 9 में आते आते कहीं न कहीं सब ने मेरे मन में ये डाल दिया था की कक्षा 9, कक्षा 8 से काफी अलग है, बहुत पढ़ना पड़ता हैं, दूसरी तरफ में ध्यान दिया तो फेल भी हो सकते हैं, इस डर से मैने कविताएं लिखना ही छोड़ दिया था जो शायद मेरी सबसे बड़ी भूल थी। कुछ सालों बाद तक तो मैं ये भी भूल गई थी कि मैं कविताएं भी लिखा करती थी। फिर पिछले 2–3 सालों में जब हम ब्टप्प्क के बहुत ही बुरे दौर से गुज़र रहे थे और हमें घर पर ही रहना था तब अचानक मेरे दिमाग में ब्टप्प्क के उस दौर से सबंधित कुछ पंक्तियां आई और मैंने उन पंक्तियों को अपनी कश्वपी पर लिख दिया और फिर अपनी स्टोरी पर लगाया जिसकी काफी लोगों ने प्रशंसा की।

DITF का सफर

मेरी लिखी कविता मेरी भुआ को बहुत पसंद आई तो उन्होंने मुझे एक उंपस–पक दी और कहा की इस कविता को इस **mail-id** पर भेज देना जो की **DITF** की **mail-id** थी। जब मैंने क्ज्ट के बारे में इंटरनेट पर सर्च किया तो मैंने अपनी मम्मी को बताया की एक बहुत बड़ी अश्वर्गेनाइजेशन हैं जिसमें अपने समाज के राष्ट्रीय एवम अंतरराष्ट्रीय स्तर के जाने माने लोग जुड़े हैं, तो मुझे अपनी कविता भेजनी चाहिए या नहीं ? मेरी कविता इतने बड़े प्लेटफार्म पर पब्लिश होगी या नहीं ? तो मेरी मम्मी ने कहा कि ये नहीं सोचो की तुम्हारी लिखी कविता पब्लिश होगी या नहीं, अगर तुम्हें लगता हैं कि तुम्हारी कविता अच्छी है तो भेज दो। अच्छी बातें और वे सभी बातें जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जरूरी है उन बातों को समाज के सामने रखने में शंका नहीं करनी चाहिए। फिर मैंने अपनी कविता मेल की। देवेश सर ने मेरी पब्लिश की हुई कविता की बुलेटिन मुझे भेजी और मुझे एप्रिशिएट किया। देवेश सर मेरे बहुत अच्छे मेन्टोर हैं। उन्होंने मुझे **DITF** की बहुत सी एक्टिविटी में पार्टिसिपेट करने का अवसर दिया जैसे **& story telling, webinar of law of attraction, temple science, history of Rajasthan, Importance of Navratri festival, Akhil Bhartiya kavi sammelan etc**

देवेश सर और शोभा मैम जब उदयपुर आए तो उनसे मिलने से पहले में काफी नर्वस थी पर सर और मैम से मिलकर ऐसा लगा जैसे में अपने किसी फ्रेंड से बात कर रही हूं। किस्मत से उस दिन शोभा मैम का जन्मदिन भी था, हमने मैम का जन्मदिन मनाया। **Rajasthan history**, **Art & culture** से **releted** काफी बाते की। सर और मैम ने मुझे ढेर सारी ब्लेसिंग दी और एक उपहार दिया। वह दिन बहुत ही शानदार था। क्ज्ट ने पिछले 1 साल में जो अपनापन और स्नेह मुझे दिया है उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता हैं। जिसे शुरुआत में मैं **professional organisation** के तौर पर देखती थी वही **DITF** मेरे एक परिवार की तरह हो गया। इसके लिए मैं देवेश सर की और **DITF** के अन्य सदस्यों की सदा आभारी रहूंगी।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

अब बात करते हैं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की३ .ये मेरा पहला कवि सम्मेलन था जिसमें मैं भाग लेने जा रही थी जिसका विषय स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश के बलिदानियों के बारे में लिखना था। तब मैंने सोचा की इस तरह की कविता लिखी जाए जो कविता न होकर कोई कहानी हो। जिसमें अंग्रेजो के आगमन से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक का संघर्ष छुपा हो। तब मैंने पूरी कहानी को कविता का रूप देने की कोशिश की। ये कविता सबसे पहले मैंने अपनी बहिन को सुनाई। उसने कविता सुनकर मुझे कहा कि मुझे नहीं पता की तेरी कोई पश्नजिशन बनेगी या नहीं पर मेरे लिए तू विनर हैं। जिस दिन कवि सम्मेलन का दिन था उस दिन सुशील सर का फोनआया था उन्होंने मुझसे कहा कि अंकिता आप और मैं मिलकर कवि सम्मेलन का संचालन करेंगे। मैं थोड़ा सा घबरा गई थी क्योंकि मैं कवि सम्मेलन में प्रतिभागी तो थी ही साथ ही साथ संचालन भी करना था फिर अगले दिन मुझे उदयपुर के बाहर संचालन करने भी जाना था लेकिन सुशील सर ने विश्वास दिलाया और इतना अच्छा एनकरेज किया कि मैं कवि सम्मेलन की विजेता तो बनी ही साथ ही साथ सुशील सर के नेतृत्व में हमने संचालन भी बहुत सफलतापूर्वक किया। इसके लिए मैं सुशील सर की आभारी रहूंगी।

अंत में मैं यह कहना चाहती हूं कि अपने हुनर की हमेशा कद्र करे। ये मत सोचे की लोग क्या कहेंगे। याद रखिए कोई आप जैसा नहीं गा सकता हैं। कोई आप जैसी **Painting** नहीं बना सकता हैं। कोई आप जैसा क्ंदबम नहीं कर सकता हैं। आप अपने आप में परिपूर्ण हैं और सर्वश्रेष्ठ है। आप जैसा कोई नहीं है। आप जो चाहे वो कर सकते हैं।

हिफाजत कीजिए अपने हुनर की ये ईश्वर का दिया अमूल्य उपहार है
मैं आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना करती हूं।

God Gifts

Sneh Prabha Sharma
California USA

Five fingers are never same
God given Gift - Name and Fame

One. goes Left other goes Right
Going Way. Road is same

One is. DOCTOR. Other one MIND MASTER
(Puzzle solver)
God given gift - Name and Fame

Be careful while cutting okra veg, fali-sem

Crow Koyal look the same

Sounds Differ but Not the same

Coconut Peepal both are trees
One gives water other one gives breeze (shade)
God given gift - Name and Fame

मां और सास में अंतर कुछ नहीं।

-भुवनेश्वरी बिसावा

B.A in sociology & fine arts
Diploma holder in
Home Science /Secretarial/Montessori &
Handicraft teachers training.(gold medalist).
Currently doing Masters in psychology

रोते हुए संसार में आई ,
तब मां ने गोद में उठाया।
रोते हुए ससुराल मे गई ,
तो सास ने गले से लगाया।
मां ने जीवन दिया ,
तो सास ने जीवन साथी।
मां ने चलना-बैठना ,
तो सास ने उठना-बैठना सिखाया।
मां ने घर का काम सिखाया,
तो सास ने घर चलाना सिखाया।
मां ने कोमल कली की तरह संभाला,
तो सास ने विशाल वृक्ष जैसा बनाया।
मां ने सुख से जीना सिखलाया,
तो सास ने दुख में भी जीना सिखलाया।
मां ईश्वर के समान है,
तो सास गुरु के समान है।
नमन दोनों मां को।

Best wishes message from
below put in our all bulletin issues:

MANJU KAMAL PODDAR

**AMFI CERTIFIED
MUTUAL FUND DISTRIBUTOR**

504 D, SUMIT SAMARTH ARCADE,
B WING, AAREY ROAD, GOREGAON
WEST,MUMBAI – 400104.

9867066252

mkp0496@gmail.com

NO MATTER HOW MUCH
YOU EARN

WE HAVE SAVINGS PLANS
FOR EVERYONE

Financial Advisor and Health Planner
Adity Dadheech
8108973815
aditydadheech@outlook.com

ख्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं...

कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं,
कभी खेलने की,
कभी खाने की,
कभी यूंही बेवक्त सो जाने की,
कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं।

कभी घूमने की,
कभी बैठने की,
कभी किसी से खूब बातें करने की,
कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं।

कभी ज़ोर से रोने की,
कभी बेवज़ह चिल्लाने की,
कभी दुनिया पर ग़ुस्सा जताने की,
कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं।

कभी दूर तक चलते रहने की,
कभी कुछ पल रुक जाने की,
कभी यूँ ही थक के सुस्ताने की,
कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं।

कभी कहीं खो जाने की,
कभी बस अपनों के साथ घर रहने की,
कभी तो अकेले रह के सबका साथ पाने की,
कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं।

कभी किसी को पाने की,
कभी कुछ भुला पाने की,
किसी के साथ रह के उसका प्यार पाने की,
कुछ ख़्वाहिशें अधूरी रह जाती हैं।

कुछ ख़्वाहिशें क्यों अधूरी रह जाती हैं?

-पीयूष दाधीच
एकाउंट मैनेजर
केजीके डायमंड्स

Testimonial of music participant

Ankita Shriniwas Ratawa

I am from Chiplun Ratnagiri district and happy to say u DITF is one of the best platform to showcase your talent singing, dancing, drowing or any other your talent you can show to this stage.

In Mumbai Devesh sir was arrange the sur sangam cultural program. And in this program our chief guest was Padmashri Bhajan Samrat Anup Jalotaji .And I am feeling very lucky to meet Bhajan Samrat anup jalotaji sir and I think this program was best to showcase my talent. I had participated in many more events,but this program was best for my singing career.and I got to learn alot of things. And this was best experience for me.and all credit goes to CA DEVESH DADHICH SIR.
THANK YOU SIR to give me an opportunity.

Testimonial of Pune Meet participant

An interactive session was arranged on 19th June,2022 at Pune.'

I was both excited and nervous at the same time as I was going to meet you for the first time sir! But as soon as I met you, I was so relaxed as the energy you shared was so positive and encouraging!
The interactive session felt very real because you added in your personal experiences which in a way were very inspiring!

You shared some basic advices but those were which I somewhere knew but wasn't aware that some small things when sown together can become a big and a strong foundation for an effective building!
Indeed sir it was a beautiful experience meeting you in person, having the opportunity to share the stage with you(though it was for a little moment), interacting with you!

I'm and will always be grateful to you sir for believing in me and encouraging me to try something new, out of my way, for aiding me boost my confidence-both on and off stage.

Looking forward to meet you again soon!

--Lavika dadhich

I am Kantilal Dayama from Pune, on sunday I have attended professional forum along with my wife - Pooja Dayama.
It was really good discussion which created health relationship among our Dadhich family.Now we know how many platform are available and where we have to focus in future.

Being staying in pune for 6 years this was our first Dadhich Community (Samaj) session it was really amazing . I am glad to inform you that now I hv connected to Dadhich Yuva mendal through this session

Kantilal Dayama

The meet up was truely great as both the host and guest were energetic sending positive vibes to grow and develop professionally and along with the Dadhich family. Really enjoyed hearing to the journey of Sir so successful and yet so simple and connected to the roots of the family.. one can really learn how to achieve life goals with simplicity

Pooja Dayama.

जुलाई 2022 का फलादेश

-शशि दायमा
महाराष्ट्र

१. मेष राशि -× राशि में मंगल राहु की युति नुकसान कारक रहेगी। बाहरवां भाव का गुरु मन को शांत करने वाला है । अमावस के योग से घर में कलह हो सकता है।

२. वृषभ राशि-× व्यवस्थान के राहु मंगल खर्चा करनेवाले रहेंगे। लाभ का गुरु बच्चों के लिए शुभकारक बनेगा । धन मिलने की संभावना है।

३. मिथुन राशि - मिथुन राशि का स्वामी बुध कुछ बड़े काम कराएगा ।× व्यापार में उन्नति होगी ।× लाभस्थान का मंगल और राहु कुछ लाभ देगा ।

४. कर्क राशि -× भाग्य के गुरू की वजह से उन्नति होगी । दशम× का राहु मंगल घर में कलह× करा सकता है ।× प्रॉपर्टी लेने का योग बनेगा।

५.× सिंह राशि - राहु मंगल भाग्य में रहने से कुछ बड़े काम होंगे । व्यवसाय में फायदा रहेगा । रुके हुए काम आगे बनेंगे।×

६. कन्या राशि -× बुध और शुक्र का योग बहुत सुंदर रहेगा ।× नौकरी और बिजनेस वालों को फायदा साबित होगा ।× सेहत की तरफ× ध्यान रखें।

७. तुला राशि -× घर के वातावरण मे तनाव होगा ।× पति-पत्नी में झगड़े हो सकते है।× गाड़ी धीमी चलाए नुकसान कारक हो सकता है ।

८. वृश्चिक राशि - गुरु शुक्र की वजह से बच्चों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा ।× राहु मंगल की वजह से खर्चा बढ़ेगा ।

९. धनु राशि - नौकरी करने वालों का अच्छा समय रहेगा ।× प्रॉपर्टी के लिए भी अच्छा योग× रहेगा ।× माता - पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

१०. मकर राशि -× वक्री शनि के कारण शत्रु में मतभेद होगा । कोई भी काम सरल नहीं होगा ।× बिना वजह झगड़े हो सकते है ।

११. कुंभ राशि - शनि के व्यवस्थान से नुकसान बढ़ेगा, खर्चा होगा ।× गुरु की वजह से घर मे शांति रहेगी ।× बदनामी से बचिए ।

१२.× मीन राशि -× लग्न का गुरु बड़ा काम करेगा ।× आगे बढ़ने को प्रोत्साहन करेगा । धन का राहु और मंगल परिवार में नुकसान कारक रहेगा ।

व्यक्तित्व विकास

क्रोध क्या व्यक्तित्व को कमजोर करता है

■शैलेन्द्र ओझा

महाभारत में भगवान श्री कृष्ण ने क्रोध के बारे में कहा
'क्रोध से मूढ़ता उत्पन्न होती है, मूढ़ता से स्मृति भ्रांत हो जाती है, स्मृति भ्रांत हो जाने से बुद्धि का नाश हो जाता है और बुद्धि नष्ट होने पर प्राणी स्वयं नष्ट हो जाता है।' 9 भगवान श्री कृष्ण क्रोध, गुस्सा, आवेश, प्रज्जवलन ये वो शब्द है जो मनुष्य के व्यक्तित्व को कमज़ोर करते है। इनसे हम अपना आपा खो बैठते है और अंत में पश्चाताप के अलावा कुछ नहीं रहता। क्रोधाग्नि की ज्वाला भयंकरतम ज्वालाओं में शुमार है। इसका प्रभाव एकतरफा या एकपक्षीय न होकर बहुपक्षीय और बहुआयामी होता है। ये न सिर्फ कारक को नष्ट करने में सक्षम है बल्कि इसके आसपास जो भी होता है, उसे भी हानि पहुंचाने में सक्षम है। एक बार क्रोधाग्नि का शिकार बन जाने पर इससे बहुत कठिनाई से पिंड छूट पाता है। एक क्रोधित व्यक्ति अपना मुंह खोल लेता है और आँख बंद कर लेता है। इंसान के अहम् को जब कोई ठेस पहुँछता है तब मनुष्य अपने अहम को शांत करने के लिए सामने वाले को अपनी प्रतिक्रिया क्रोध के रूप में देता है। क्रोध करके वो अपना बहुत नुकसान करता है जिसके कारण उसे अशांति के अलावा कुछ नहीं देता। क्रोध से उसे अनेक निम्नं अंकित नुकसान उठाता है।

बुद्धि का नाश-एक यथार्थ कहावत है विनाश काले विपरीत बुद्धि। जब मनुष्य को क्रोध आता है तो उसका दिमाग काम करना बंद करदेता है और वो कुछ ऐसा करदेता है जो वो स्वप्न में भी नहीं सोच सकता करने को। उसका केवल विनाश ही होता है फिर जब उसका गुस्सा शांत होता है तब उसके परिणाम को देख कर बहुत अफ़सोस करता है की मेरे से ये क्या होगया लेकिन जब तक बाहत देर हो चुकी होती है।

रिश्तों में कड़वाहट-गुस्सा करते समय उसकी बुद्धि भ्रस्ट हो जाती है और तब गुस्से में उसकी भाषा में कड़वाहट भर जाती है और ऐसे शब्द बोल जाता है जिससे उसके रिश्ते कमज़ोर होजाते है। कई बार तो गुस्सा भी ऐसा आता है की सामने वाले ने कोई गलती भी नहीं की होती है पर एक गलतफैमी से गुस्सा आजाता है और सामनेवाले से रिश्ते में कड़वाहट हो जाती है।

संपति की बर्बादी-अक्सर ये देखा गया है की गुस्सा किसी व्यक्ति पर आता है पर निकाल किसी और वस्तु पर निकलता है। जैसे की गुस्सा आने के समय अगर हाथ में फ़ोन होता है तो उसे दिवार पर फेक के गुस्सा उसपर निकालते है।

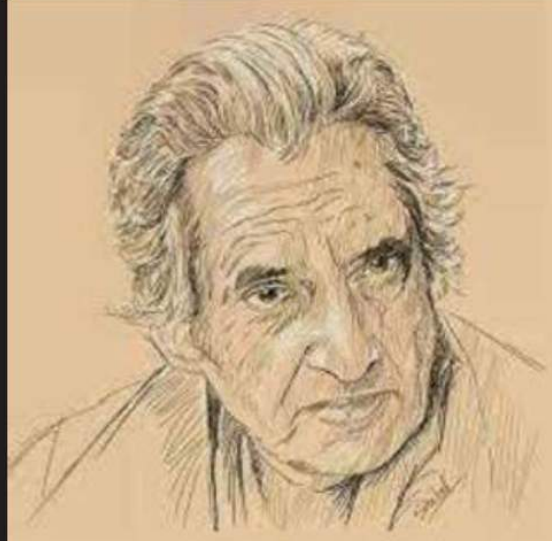

पुण्यतिथि

19 जुलाई

थिरकता सावन

नीरज

गगन बजाने लगा जल-तरंग फिर यारो।
कि भींगे हम भी ज़रा संग-संग फिर यारो।

यह रिमझिमाती निशा और ये थिरकता सावन
है याद आने लगा इक प्रसंग फिर यारो।

किसे पता है कि कब तक रहेगा ये मौसम
रखा है बाँध के क्यों मन-कुरंग फिर यारो।

उमड़-घुमड़के जो बादल घिरा अटारी पर
विहंग बनके उड़ी इक उमंग फिर यारो।

कहीं प' कजली कहीं तान उठी बिरहा की
हृदय में झाँक गया इक अनंग फिर यारो।

पिया की बाँह में सिमटी है इस तरह गोरी
सभंग श्लेष हुआ है अभंग फिर यारो।

जो 'रंग' गीत का 'बलबीर' जी के साथ गया
न हमने देखा कहीं वैसा 'रंग' फिर यारो।